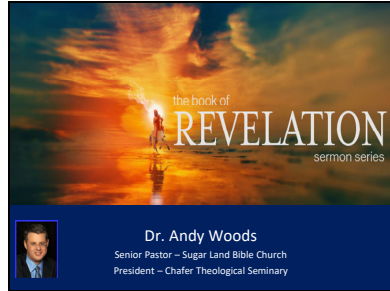


Slide 1



---

---

---

---

---

---

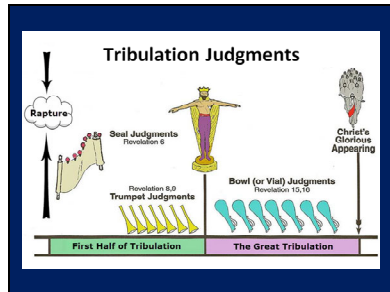
---

---

---

---

Slide 2



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 3

**7<sup>th</sup> Seal & 1<sup>st</sup> Six Trumpets**  
(Revelation 8-9)



1. 7<sup>th</sup> Seal (8:1-6) – Trumpet preparation
2. 1<sup>st</sup> Trumpet (8:7) – 1/3 vegetation destroyed
3. 2<sup>nd</sup> Trumpet (8:8-9) – 1/3 ocean destroyed
4. 3<sup>rd</sup> Trumpet (8:10-11) – 1/3 water destroyed
5. 4<sup>th</sup> Trumpet (8:12-13) – 1/3 luminaries darkened
6. 5<sup>th</sup> Trumpet (9:1-12) – Demons released
7. 6<sup>th</sup> Trumpet (9:13-21) – 1/3 humanity destroyed

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 4

 **7<sup>th</sup> Seal & 1<sup>st</sup> Six Trumpets**  
(Revelation 8-9) 

1. **7<sup>th</sup> Seal (8:1-6) – Trumpet preparation**
2. 1<sup>st</sup> Trumpet (8:7) – 1/3 vegetation destroyed
3. 2<sup>nd</sup> Trumpet (8:8-9) – 1/3 ocean destroyed
4. 3<sup>rd</sup> Trumpet (8:10-11) – 1/3 water destroyed
5. 4<sup>th</sup> Trumpet (8:12-13) – 1/3 luminaries darkened
6. 5<sup>th</sup> Trumpet (9:1-12) – Demons released
7. 6<sup>th</sup> Trumpet (9:13-21) – 1/3 humanity destroyed

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 5

 **7<sup>th</sup> Seal & 1<sup>st</sup> Six Trumpets**  
(Revelation 8-9) 

1. 7<sup>th</sup> Seal (8:1-6) – Trumpet preparation
2. **1<sup>st</sup> Trumpet (8:7) – 1/3 vegetation destroyed**
3. 2<sup>nd</sup> Trumpet (8:8-9) – 1/3 ocean destroyed
4. 3<sup>rd</sup> Trumpet (8:10-11) – 1/3 water destroyed
5. 4<sup>th</sup> Trumpet (8:12-13) – 1/3 luminaries darkened
6. 5<sup>th</sup> Trumpet (9:1-12) – Demons released
7. 6<sup>th</sup> Trumpet (9:13-21) – 1/3 humanity destroyed

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 6

 **7<sup>th</sup> Seal & 1<sup>st</sup> Six Trumpets**  
(Revelation 8-9) 

1. 7<sup>th</sup> Seal (8:1-6) – Trumpet preparation
2. 1<sup>st</sup> Trumpet (8:7) – 1/3 vegetation destroyed
3. **2<sup>nd</sup> Trumpet (8:8-9) – 1/3 ocean destroyed**
4. 3<sup>rd</sup> Trumpet (8:10-11) – 1/3 water destroyed
5. 4<sup>th</sup> Trumpet (8:12-13) – 1/3 luminaries darkened
6. 5<sup>th</sup> Trumpet (9:1-12) – Demons released
7. 6<sup>th</sup> Trumpet (9:13-21) – 1/3 humanity destroyed

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 7

 7<sup>th</sup> Seal & 1<sup>st</sup> Six Trumpets  
(Revelation 8-9)

1. 7<sup>th</sup> Seal (8:1-6) – Trumpet preparation
2. 1<sup>st</sup> Trumpet (8:7) – 1/3 vegetation destroyed
3. 2<sup>nd</sup> Trumpet (8:8-9) – 1/3 ocean destroyed
4. **3<sup>rd</sup> Trumpet (8:10-11) – 1/3 water destroyed**
5. 4<sup>th</sup> Trumpet (8:12-13) – 1/3 luminaries darkened
6. 5<sup>th</sup> Trumpet (9:1-12) – Demons released
7. 6<sup>th</sup> Trumpet (9:13-21) – 1/3 humanity destroyed

---



---



---



---



---



---



---



---



---

Slide 8

 7<sup>th</sup> Seal & 1<sup>st</sup> Six Trumpets  
(Revelation 8-9)

1. 7<sup>th</sup> Seal (8:1-6) – Trumpet preparation
2. 1<sup>st</sup> Trumpet (8:7) – 1/3 vegetation destroyed
3. 2<sup>nd</sup> Trumpet (8:8-9) – 1/3 ocean destroyed
4. 3<sup>rd</sup> Trumpet (8:10-11) – 1/3 water destroyed
5. **4<sup>th</sup> Trumpet (8:12-13) – 1/3 luminaries darkened**
6. 5<sup>th</sup> Trumpet (9:1-12) – Demons released
7. 6<sup>th</sup> Trumpet (9:13-21) – 1/3 humanity destroyed

---



---



---



---



---



---



---



---



---

Slide 9

 7<sup>th</sup> Seal & 1<sup>st</sup> Six Trumpets  
(Revelation 8-9)

1. 7<sup>th</sup> Seal (8:1-6) – Trumpet preparation
2. 1<sup>st</sup> Trumpet (8:7) – 1/3 vegetation destroyed
3. 2<sup>nd</sup> Trumpet (8:8-9) – 1/3 ocean destroyed
4. 3<sup>rd</sup> Trumpet (8:10-11) – 1/3 water destroyed
5. 4<sup>th</sup> Trumpet (8:12-13) – 1/3 luminaries darkened
6. **5<sup>th</sup> Trumpet (9:1-12) – Demons released**
7. 6<sup>th</sup> Trumpet (9:13-21) – 1/3 humanity destroyed

---



---



---



---



---



---



---




---



---

Slide 10


**7<sup>th</sup> Seal & 1<sup>st</sup> Six Trumpets**  
 (Revelation 8-9)
 

1. 7<sup>th</sup> Seal (8:1-6) – Trumpet preparation
2. 1<sup>st</sup> Trumpet (8:7) – 1/3 vegetation destroyed
3. 2<sup>nd</sup> Trumpet (8:8-9) – 1/3 ocean destroyed
4. 3<sup>rd</sup> Trumpet (8:10-11) – 1/3 water destroyed
5. 4<sup>th</sup> Trumpet (8:12-13) – 1/3 luminaries darkened
6. 5<sup>th</sup> Trumpet (9:1-12) – Demons released
7. 6<sup>th</sup> Trumpet (9:13-21) – 1/3 humanity destroyed

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 11

**5 Non-Chronological Parenthetical Insertions**

Seals	(Rev 7)	144,000 JEWS
1 2 3 4 5 6 7	↓	
Trumpets	(Rev 10-11)	No Delay; 2 Witnesses
1 2 3 4 5 6 7	↓	
	(Rev 12-14)	Israel's flight
Bowls	(Rev 16:13-16)	Armageddon
1 2 3 4 5 6 7	↓	
	(Rev 17-18)	Babylon falls

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 12

**5 Non-Chronological Parenthetical Insertions**

1. Rev 7 – 144,000 Jews
2. Rev 10:1-11:14 – Announcement of no more delay and the two witnesses
3. Rev 12-14 – Israel's flight, two beasts, six scenes of hope
4. Rev 16:13-16 – Gathering of the nations to Armageddon
5. Rev 17:1-19:6 – Babylon's fall

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 13

5 Non-Chronological Parenthetical Insertions

1. Rev 7 – 144,000 Jews
2. Rev 10:1-11:14 – Announcement of no more delay and the two witnesses
3. Rev 12-14 – Israel's flight, two beasts, six scenes of hope
4. Rev 16:13-16 – Gathering of the nations to Armageddon
5. Rev 17:1-19:6 – Babylon's fall

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

Slide 14

 2. Revelation 10:1–11:14 

- A. Rev 10 – Announcement of no more delay
- B. Rev 11:1-2 – End of the Times of the Gentiles
- C. Rev 11:3-14 – Ministry of the Two Witnesses

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

Slide 15

 2. Revelation 10:1–11:14 

- A. Rev 10 – Announcement of no more delay
- B. Rev 11:1-2 – End of the Times of the Gentiles
- C. Rev 11:3-14 – Ministry of the Two Witnesses

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 16

**Recapitulation**

View that judgments overlap

Seals: 1 2 3 4 5 6 7  
Trumpets: 1 2 3 4 5 6 7  
Bowls: 1 2 3 4 5 6 7

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 17

**Telescoping**

7<sup>th</sup> judgment releases 1<sup>st</sup> in next series

Seals: 1 2 3 4 5 6 **7**  
Trumpets: **1** 2 3 4 5 6 **7**  
Bowls: **1** 2 3 4 5 6 7



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 18

**No Further Delay**  
(Revelation 10)



- I. The Angel's Appearance (10:1)
- II. The Angel's Actions (10:2-7)
- III. The Angel's Commission (10:8-11)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 19

 **No Further Delay**   
(Revelation 10)

- I. **The Angel's Appearance (10:1)**
- II. The Angel's Actions (10:2-7)
- III. The Angel's Commission (10:8-11)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 20

 **I. The Angel's Appearance**   
(Revelation 10:1)

- A. Another Angel (10:1a)
- B. The Angel's Clothes (10:1b)
- C. The Angel's Head (10:1c)
- D. The Angel's Face (10:1d)
- E. The Angel's Legs (10:1e)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 21

 **I. The Angel's Appearance**   
(Revelation 10:1)

- A. **Another Angel (10:1a)**
- B. The Angel's Clothes (10:1b)
- C. The Angel's Head (10:1c)
- D. The Angel's Face (10:1d)
- E. The Angel's Legs (10:1e)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 22

 **I. The Angel's Appearance**   
(Revelation 10:1)

- A. Another Angel (10:1a)
- B. **The Angel's Clothes (10:1b)**
- C. The Angel's Head (10:1c)
- D. The Angel's Face (10:1d)
- E. The Angel's Legs (10:1e)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 23

 **I. The Angel's Appearance**   
(Revelation 10:1)

- A. Another Angel (10:1a)
- B. The Angel's Clothes (10:1b)
- C. **The Angel's Head (10:1c)**
- D. The Angel's Face (10:1d)
- E. The Angel's Legs (10:1e)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 24

 **I. The Angel's Appearance**   
(Revelation 10:1)

- A. Another Angel (10:1a)
- B. The Angel's Clothes (10:1b)
- C. The Angel's Head (10:1c)
- D. **The Angel's Face (10:1d)**
- E. The Angel's Legs (10:1e)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 25

 **I. The Angel's Appearance**   
(Revelation 10:1)

- A. Another Angel (10:1a)
- B. The Angel's Clothes (10:1b)
- C. The Angel's Head (10:1c)
- D. The Angel's Face (10:1d)
- E. The Angel's Legs (10:1e)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 26

 **No Further Delay**   
(Revelation 10)

- I. The Angel's Appearance (10:1)
- II. The Angel's Actions (10:2-7)
- III. The Angel's Commission (10:8-11)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 27

 **II. The Angel's Actions**   
(Revelation 10:2-7)

- A. What the Angel Holds (10:2a)
- B. What the Angel Does (10:2b)
- C. What the Angel Says (10:3-7)
  - 1. Concerning the 7 Thunders (10:3-4)
  - 2. Concerning the 7<sup>th</sup> Trumpet (10:5-7)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



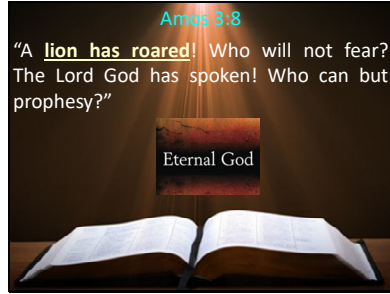


Slide 34

Amos 3:8

"A **lion has roared!** Who will not fear?  
The Lord God has spoken! Who can but prophesy?"

Eternal God



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 35

2 Timothy 3:16-17

"<sup>16</sup> All Scripture is **inspired by God** [*theopneustos*] and profitable for teaching, for reproof, for correction, for training in righteousness; <sup>17</sup> so that the man of God may be adequate, equipped for every good work."

Think the man of God may be perfect, thoroughly furnished in all ways.



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 36

INSPIRATION OF SCRIPTURE

2 Peter 1:20-21

- Men Wrote as they were inspired by Holy Spirit  
"phero" = to carry  
Acts 27:15,17
- Opposite of Knowledge of False Teachers
  - ◆ Which is their own imagination
  - ◆ Jer. 23:16



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 37



---

---

---

---

---

---

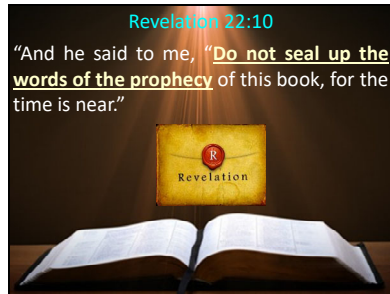
---

---

---

---

Slide 38



---

---

---

---

---

---

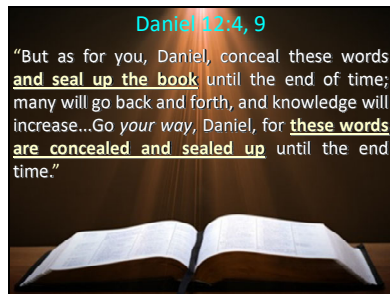
---

---

---

---

Slide 39



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 43



---

---

---

---

---

---

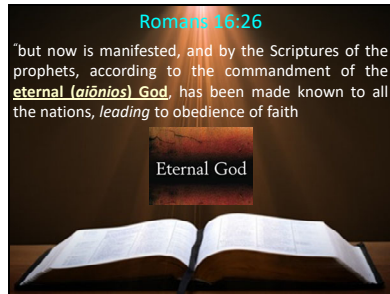
---

---

---

---

Slide 44



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 45

Shaping and Populating (Gen 1:1-31)	
Day 1	Light
Day 2	Water, sky
Day 3	Land, vegetation
Day 4	Luminaries
Day 5	Sea animals, birds
Day 6	Land animals, man

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 46



---

---

---

---

---

---

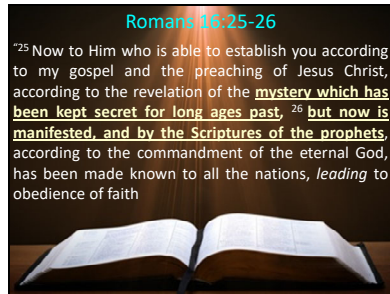
---

---

---

---

Slide 47



---

---

---

---

---

---

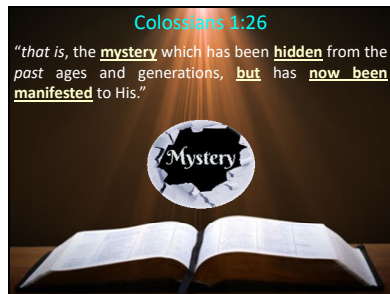
---

---

---

---

Slide 48



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 49

**"Mystery" Defined**

"In the N.T. it [*mustērion*] denotes, not the mysterious (as with the Eng. word), but that which, being outside the range of unassisted natural apprehension, can be made known only by Divine revelation, and is made known in a manner and at a time appointed by God, and to those who are illumined by His Spirit."

W. E. Vine, Merrill F. Unger, and William White, *Vine's Complete Expository Dictionary of the Old and New Testament Words* (Nashville: Nelson, 1996), 424.

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 50

**Telescoping**

7<sup>th</sup> judgment releases 1<sup>st</sup> in next series

Seals: 1 2 3 4 5 6 **7**  
Trumpets: **1** 2 3 4 5 6 **7**  
Bowls: **1** 2 3 4 5 6 **7**



---

---

---

---

---

---

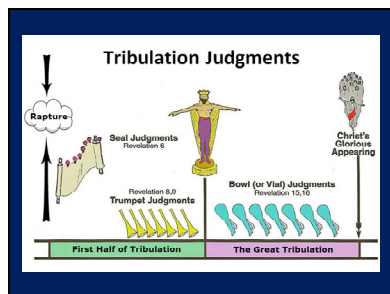
---

---

---

---

Slide 51



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 52

**1<sup>st</sup> Six Seals (Revelation 6)**

1. 6:1-2 – Advent of antichrist
2. 6:3-4 – War
3. 6:5-6 – Famine
4. 6:7-8 – Death
5. **6:9-11 – Martyrdoms**
6. 6:12-17 – Cosmic disturbances



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 53

**No Further Delay**  
(Revelation 10)

- I. The Angel's Appearance (10:1)
- II. The Angel's Actions (10:2-7)
- III. **The Angel's Commission (10:8-11)**



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 54

**III. The Angel's Commission**  
(Revelation 10:8-11)

- A. Partake (10:8-10)
  1. Take the book (8)
  2. John's obedience (9a)
  3. Eat the book (9b)
  4. John's obedience (10)
- B. Prophecy (10:11)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 55

 **III. The Angel's Commission**   
(Revelation 10:8-11)

**A. Partake (10:8-10)**

1. Take the book (8)
2. John's obedience (9a)
3. Eat the book (9b)
4. John's obedience (10)

**B. Prophecy (10:11)**



---

---

---

---

---

---



---

---

---

---


Slide 56

 **III. The Angel's Commission**   
(Revelation 10:8-11)

**A. Partake (10:8-10)**

1. Take the book (8)
2. John's obedience (9a)
3. Eat the book (9b)
4. John's obedience (10)

**B. Prophecy (10:11)**



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 57

 **III. The Angel's Commission**   
(Revelation 10:8-11)

**A. Partake (10:8-10)**

1. Take the book (8)
2. John's obedience (9a)
3. Eat the book (9b)
4. John's obedience (10)

**B. Prophecy (10:11)**



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


Slide 58

**III. The Angel's Commission**  
(Revelation 10:8-11)

**A. Partake (10:8-10)**

1. Take the book (8)
2. John's obedience (9a)
3. Eat the book (9b)
4. John's obedience (10)

**B. Prophecy (10:11)**



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 59

**III. The Angel's Commission**  
(Revelation 10:8-11)

**A. Partake (10:8-10)**

1. Take the book (8)
2. John's obedience (9a)
3. Eat the book (9b)
4. John's obedience (10)

**B. Prophecy (10:11)**



---

---

---

---

---

---

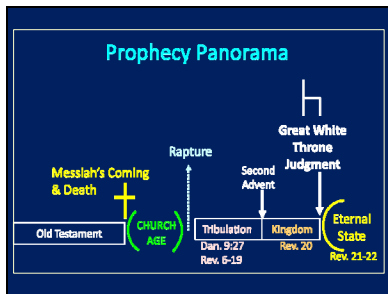
---

---

---

---

Slide 60



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 61

**Revelation 11:15**

“Then the seventh angel sounded; and there were loud voices in heaven, saying, “The kingdom of the world has become the kingdom of our Lord and of His Christ; and He will reign forever and ever.””



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 62

**III. The Angel's Commission**  
(Revelation 10:8-11)

**A. Partake (10:8-10)**

1. Take the book (8)
2. John's obedience (9a)
3. Eat the book (9b)
4. John's obedience (10)



**B. Prophecy (10:11)**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 63

**David Hocking**  
David Hocking, *The Book of Revelation: Understanding the Future* (Justin, CA: Hope For Today Publications, 2014), 371.

“To all preachers of the Word of God, God's Word must be proclaimed no matter how it affects or offends people. We should speak God's truth in love, of course, but there is too much compromise in the pulpits of our churches. The Bible's message about God's wrath and judgment is rarely heard or understood by today's culture. There is no message more important for our world than that which the Book of Revelation clearly presents. May God help us to be faithful to it, and to heed what it says!”

---

---

---

---

---

---

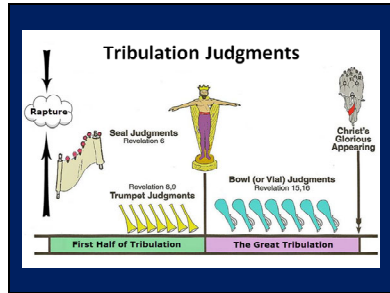
---

---

---

---

Slide 64



---

---

---

---

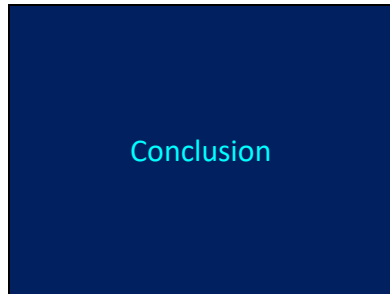
---

---

---

---

Slide 65



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 66

**No Further Delay**  
(Revelation 10)

- I. The Angel's Appearance (10:1)
- II. The Angel's Actions (10:2-7)
- III. The Angel's Commission (10:8-11)

---

---

---

---

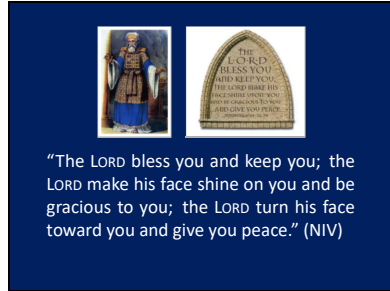
---

---

---

---

Slide 67



---

---

---

---

---

---

---

---

# 1

Jude 9-But **Michael the archangel**, when he disputed with the devil and argued about the body of Moses, did not dare pronounce against him a railing judgment, but said, “The Lord rebuke you!”

Dan. 9:20-23-<sup>20</sup> Now while I was speaking and praying, and confessing my sin and the sin of my people Israel, and presenting my supplication before the LORD my God in behalf of the holy mountain of my God, <sup>21</sup> while I was still speaking in prayer, then the man **Gabriel**, whom I had seen in the vision previously, came to me in *my* extreme weariness about the time of the evening offering. <sup>22</sup> He gave *me* instruction and talked with me and said, “O Daniel, I have now come forth to give you insight with understanding.”<sup>23</sup> At the beginning of your supplications the command was issued, and I have come to tell *you*, for you are highly esteemed; so give heed to the message and gain understanding of the vision.

Rev. 5:2-And I saw **a strong angel** proclaiming with a loud voice, “Who is worthy to open the book and to break its seals?”

Heb. 1:6-And when He again brings the firstborn into the world, He says, “AND LET ALL THE ANGELS OF GOD WORSHIP HIM.”

Exod. 3:2-**The angel of the LORD** appeared to him in a blazing fire from the midst of a bush; and he looked, and behold, the bush was burning with fire, yet the bush was not consumed.

Rev. 1:11-saying, “**Write in a book what you see**, and send it to the seven churches: to Ephesus and to Smyrna and to Pergamum and to Thyatira and to Sardis and to Philadelphia and to Laodicea.”

## 2

Rev. 5:1-I saw in the right hand of Him who sat on the throne a book written inside and on the back, sealed up with seven seals.

Gen. 1:2-The earth was formless and void, and darkness was over the surface of the deep, and the Spirit of God was moving over the surface of the waters.

Gen. 1:9-10-<sup>9</sup> Then God said, “Let the waters below the heavens be gathered into one place, and let the dry land appear”; and it was so. <sup>10</sup> God called the dry land earth, and the gathering of the waters He called seas; and God saw that it was good.

## 3

Rev. 4:5-Out from the throne come flashes of lightning and sounds and peals of thunder. And *there were* seven lamps of fire burning before the throne, which are the seven Spirits of God



Rev. 8:5-Then the angel took the censer and filled it with the fire of the altar, and threw it to the earth; and there followed peals of thunder and sounds and flashes of lightning and an earthquake.

#### 4

Rev. 1:11-saying, “**Write in a book what you see**, and send it to the seven churches: to Ephesus and to Smyrna and to Pergamum and to Thyatira and to Sardis and to Philadelphia and to Laodicea.”

2 Pet. 1:20-21--<sup>20</sup> But know this first of all, that no prophecy of Scripture is *a matter* of one’s own interpretation, <sup>21</sup> for no prophecy was ever made by an act of human will, but men moved by the Holy Spirit spoke from God.

1 John 2:27- As for you, **the anointing which you received from Him abides in you**, and you have no need for anyone to teach you; but as **His anointing teaches you about all things**, and is true and is not a lie, and just as it has taught you, you abide in Him.

Matt. 24:21-22--<sup>21</sup> For then there will be a great tribulation, such as has not occurred since the beginning of the world until now, nor ever will. <sup>22</sup> Unless those days had been cut short, no life would have been saved; but for the sake of the elect those days will be cut short.

Rev. 9:5-And they were not permitted to kill anyone, but to torment for **five months**; and their torment was like the torment of a scorpion when it stings a man.

Job 1:12-Then the LORD said to Satan, “Behold, all that he has is in your power, only do not put forth your hand on him.” So Satan departed from the presence of the LORD.

Job 2:6- So the LORD said to Satan, “Behold, he is in your power, only spare his life.”

## 5

Eph. 1:20-which He brought about in Christ, when He raised Him from the dead and seated Him at His **right hand** in the heavenly *places*

Rev. 1:16-In His **right hand** He held seven stars, and out of His mouth came a sharp two-edged sword; and His face was like the sun shining in its strength.

## 6

Rev. 4:11-Worthy are You, our Lord and our God, to receive glory and honor and power; **for You created all things**, and **because of Your will they existed, and were created.**

Num. 23:19-**God is not a man, that He should lie**, Nor a son of man, that He should repent; Has He said, and will He not do it?

Titus 1:2-in the hope of eternal life, which **God, who cannot lie**, promised long ages ago.

Heb. 6:18-so that by two unchangeable things in which **it is impossible for God to lie**, we who have taken refuge would have strong encouragement to take hold of the hope set before us.

## 7

Rev. 16:17-Then the seventh *angel* poured out his bowl upon the air, and a loud voice came out of the temple from the throne, saying, “**It is done.**”

Rev. 6:9-11-<sup>9</sup> When the Lamb broke the fifth seal, I saw underneath the altar the souls of those who had been slain because of the word of God, and because of the testimony which they had maintained; <sup>10</sup> and they cried out with a loud voice, saying, “**How long, O Lord, holy and true, will You refrain from judging and avenging our blood on those who dwell on the earth?**” <sup>11</sup> And there was given to each of them a white robe; and **they were told that they should rest for a little while longer**, until *the number of* their fellow servants and their brethren who were to be killed even as they had been, would be completed also.

## 10

Job 23:12- I have not departed from the command of His lips; I have treasured the words of His mouth more than my necessary food.

Deut. 8:3- He humbled you and let you be hungry, and fed you with manna which you did not know, nor did your fathers know, that He might make you understand that **man does not live by bread alone, but man lives by everything that proceeds out of the mouth of the LORD.**

Matt. 4:4- But He answered and said, “It is written, ‘MAN SHALL NOT LIVE ON BREAD ALONE, BUT ON EVERY WORD THAT PROCEEDS OUT OF THE MOUTH OF GOD.’”

1 Pet. 2:2- like newborn babies, long for the pure milk of the word, so that by it you may grow in respect to salvation.

Ezek. 2:8–3:3- <sup>8</sup>“Now you, son of man, listen to what I am speaking to you; do not be rebellious like that rebellious house. Open your mouth and eat what I am giving you.” <sup>9</sup> Then I looked, and behold, a hand was extended to me; and lo, a scroll *was* in it. <sup>10</sup> When He spread it out before me, it was written on the front and back, and written on it were lamentations, mourning and woe. <sup>1</sup> Then He said to me, “Son of man, eat what you find; eat this scroll, and go, speak to the house of Israel.” <sup>2</sup> So I opened my mouth, and He fed me this scroll. <sup>3</sup> He said to me, “Son of man, feed your stomach and fill your body with this scroll which I am giving you.” Then I ate it, and it was sweet as honey in my mouth.

Ezek. 3:4-11-<sup>4</sup> Then He said to me, “Son of man, go to the house of Israel and **speak** with My words to them. <sup>5</sup> For you are not being sent to a people of unintelligible speech or difficult language, *but* to the house of Israel,<sup>6</sup> nor to many peoples of unintelligible speech or difficult language, whose words you cannot understand. But I have sent you to them who should listen to you; <sup>7</sup> yet the house of Israel will not be willing to listen to you, since they are not willing to listen to Me. Surely the whole house of Israel is stubborn and obstinate. <sup>8</sup> Behold, I have made your face as hard as their faces and your forehead as hard as their foreheads. <sup>9</sup> Like emery harder than flint I have made

your forehead. Do not be afraid of them or be dismayed before them, though they are a rebellious house.”<sup>10</sup> Moreover, He said to me, “Son of man, take into your heart all My words which I will speak to you and listen closely. <sup>11</sup> Go to the exiles, to the sons of your people, and speak to them and tell them, whether they listen or not, ‘Thus says the Lord GOD.’”

2 Tim. 2:15-Be diligent to present yourself approved to God as a workman who does not need to be ashamed, accurately handling the word of truth.

Gen. 1:5-God called the light day, and the darkness He called night. And there was evening and there was morning, one day.

Rev. 11:15- Then the seventh angel sounded; and there were loud voices in heaven, saying, “The kingdom of the world has become *the kingdom* of our Lord and of His Christ; and He will reign forever and ever.”

## 11

Rev. 5:9- And they \*sang a new song, saying, “Worthy are You to take the book and to break its seals; for You were slain, and purchased for God with Your blood *men* from **every tribe and tongue and people and nation**.

Rev. 13:7-It was also given to him to make war with the saints and to overcome them, and authority over **every tribe and people and tongue and nation** was given to him.

Rev. 17:15-And he \*said to me, “The waters which you saw where the harlot sits, are **peoples and multitudes and nations and tongues**.

## Conclusion

Num. 6:24-<sup>26</sup>-The Lord bless you, and keep you;

<sup>25</sup> The Lord make His face shine on you, and be gracious to you;

<sup>26</sup> The Lord lift up His countenance on you, And give you peace.